

जिला सूचना कार्यालय हरिद्वार।  
निकट देवपुरा चौक, पुरानी कचहरी, हरिद्वार।

E-mail: [suchnaharidwar@gmail.com](mailto:suchnaharidwar@gmail.com) दूरभाष : 01334-226695, मोबाइल: 7055007017

दिनांक : 16/11/2017

### प्रेस विज्ञप्ति

हरिद्वार। भारत सरकार की अमृत योजना कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 1164.37 लाख रुपये लागत की सीवरेज योजनाओं का शिलान्यास कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने गुधाल गेट ज्वालापुर में किया। इसके अंतर्गत चाकलान अहबाब नगर क्षेत्र में 391.62 लाख लागत की कुल 4100 मीटर लम्बी सीवरेज, बाल्मीकि बस्ती एवं घासमण्डी मौहल्ला में 1766 मीटर लम्बाई की कुल लागत 186.95 लाख तथा पवन विहार, बालाजीपुरम, त्रिमूर्तिनगर, बाबर कॉलोनी, तपोवन में कुल लम्बाई 6200 मीटर, अनुमानित लागत 585.80 लाख, से बनने वाली सीवर लाइन बनाने का कार्य किया जाएगा।

शहरी विकास मंत्री ने कहा कि हरिद्वार में एसटीपी का कार्य आरम्भ किया जा रहा है जिसकी लागत 72 करोड़ है। पूरे क्षेत्र में नगर निगम के क्षेत्र, सेमी अर्बन क्षेत्र जिसमें नगर पालिका शिवालिक नगर तथा नगर निगम देहरादून, हरिद्वार को इसमें जोड़ा है। इन क्षेत्रों में सीवरेज के लिए प्लानिंग की गयी है, जिसकी लागत लगभग 550 करोड़ है, जिसमें हरिद्वार का शेष वंचित क्षेत्र भी आ जायेगा। आने वाले समय में जनपद हरिद्वार शत-प्रतिशत सीवरेज, बिजली, पानी की सुविधाओं से युक्त होगा।

उन्होंने कहा कि गंगा में गिरने वाले गंदे नालों की टेपिंग, जाले लगाने का कार्य जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। नालों को रोककर उन्हें सीवरेज से जोड़ा जाएगा। एसटीपी की क्षमता को बढ़ाने के लिए कार्य किया जा रहा है। एक नया एसटीपी सराय में लगाया जा रहा है।

उन्होंने योजनाओं से जुड़े अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कार्य इस तरह से किये जाएं जिससे आम जनता को कम से कम असुविधा का सामना करना पड़े। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि केवल विकास कार्यों के जरिए ही क्षेत्र की जनता का विश्वास जीता जा सकता है, इसलिए विकास कार्यों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखें।

इस अवसर पर मेयर मनोज गर्ग, रानीपुर विधायक आदेश चौहान, पार्षद कलावती नेगी, पार्षद ललिता चौहान, पार्षद शशिकांत वशिष्ठ तथा अधिशासी अभियंता पी.आई.यू. (अमृत) उत्तराखण्ड पेयजल निगम रूड़की संजय सिंह आदि उपस्थित थे।

जिला सूचना अधिकारी  
हरिद्वार